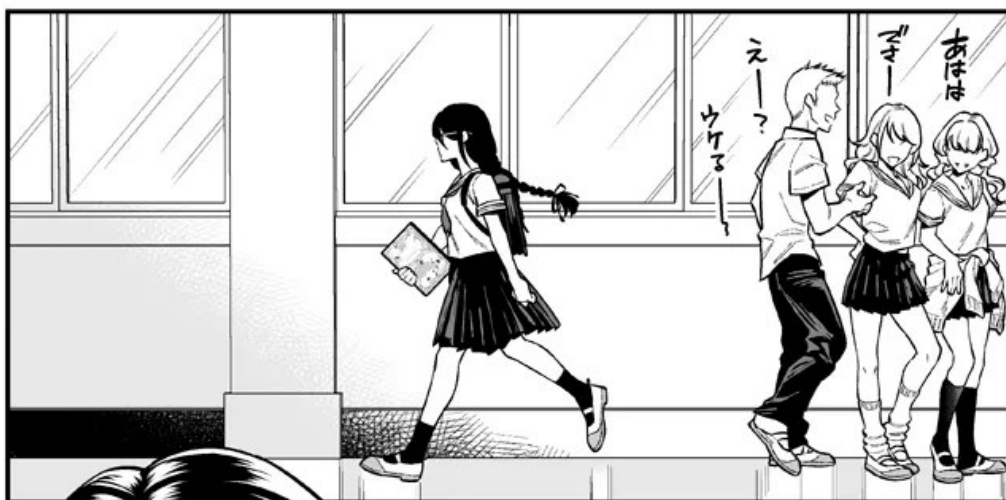




図書室のけだものたち

二次結び



普通
図書室といえば

ガラッ



読書や調べ物

勉強の場として
利用するものだ
と思うのだけれど

この学校に
そういう生徒は少ない

あと
よろしくね

はい





自分がここで
何してるか
分かってるのかしら

…あなたの方が
よっぽど目立つわ

いつも違う
女の子連れてる

IP
アツ

あれっ

俺のこと覚えて
くれてるんだ!?

うれしー

…ここ
クーラー効いてて
人もほとんど
いなくて

なんていうか…

いろいろと
便利なんだよねー

………
騒がしくしちゃって
ごめんね?

一応
罪悪感
はあるのね

…さあ

なんの
ことかしら

本が
汚れなければ
別にいいわ

彼は――
木嶋くんは

私を見かける度に
声をかけてきた

「お世の中——」
「お世の中——」

一緒に歩いてみる。

トイ

どういう
つもりなのだろう

10/12

ジャージモ
かゆいー

からかわれてる？

見せびらかしてる？

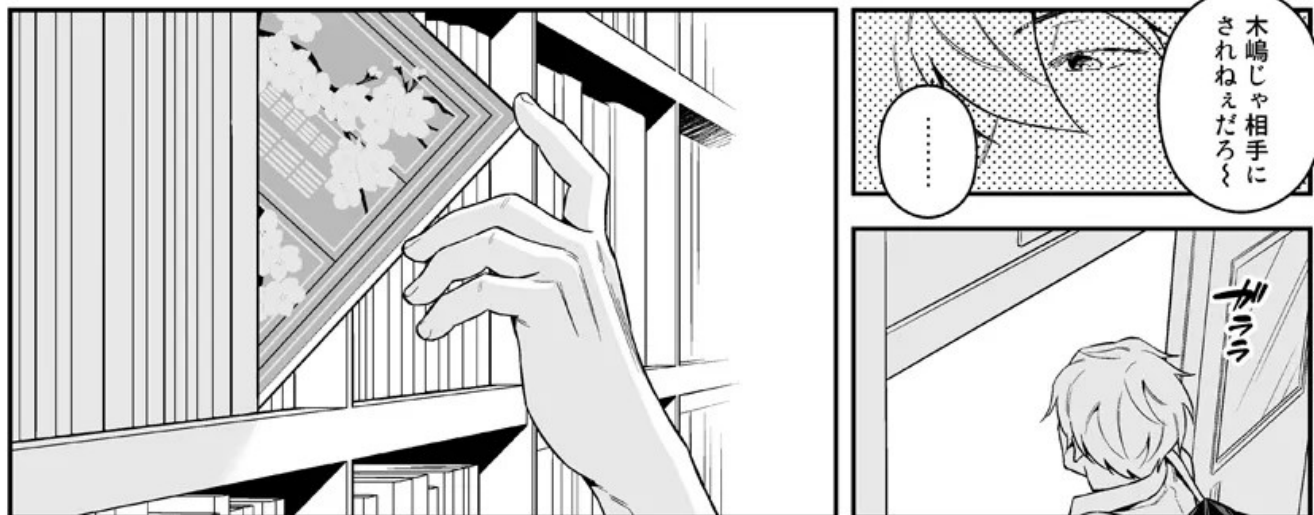
あ

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

あ



9/31





あッ
あッ

どうしたの
かしら...

今日はやけに
あからさまね...

音...
すっ...

あッ

あッ

あッ

あッ

あッ

あッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

はッ

バキッ

バキッ

バキッ

あッ

あッ

あッ

あッ

あッ

あッ

あッ

あッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

ズッ

あッ

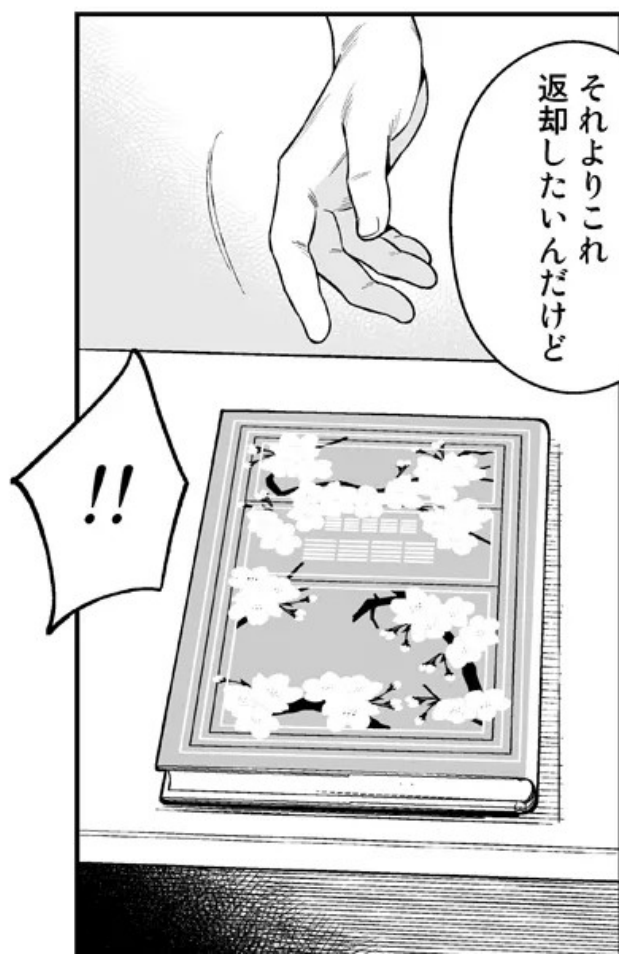
あッ





木嶋のばか…

他にも
人いんの
なに考えてんの…!?













あんな本読んで
やられ待ちしてる
ムツツリだと思ったけど

人のセックス見て
焦らされちゃった
んだよね〜

古宮センパイも
ふつーの女の子だね

……セックスなんて

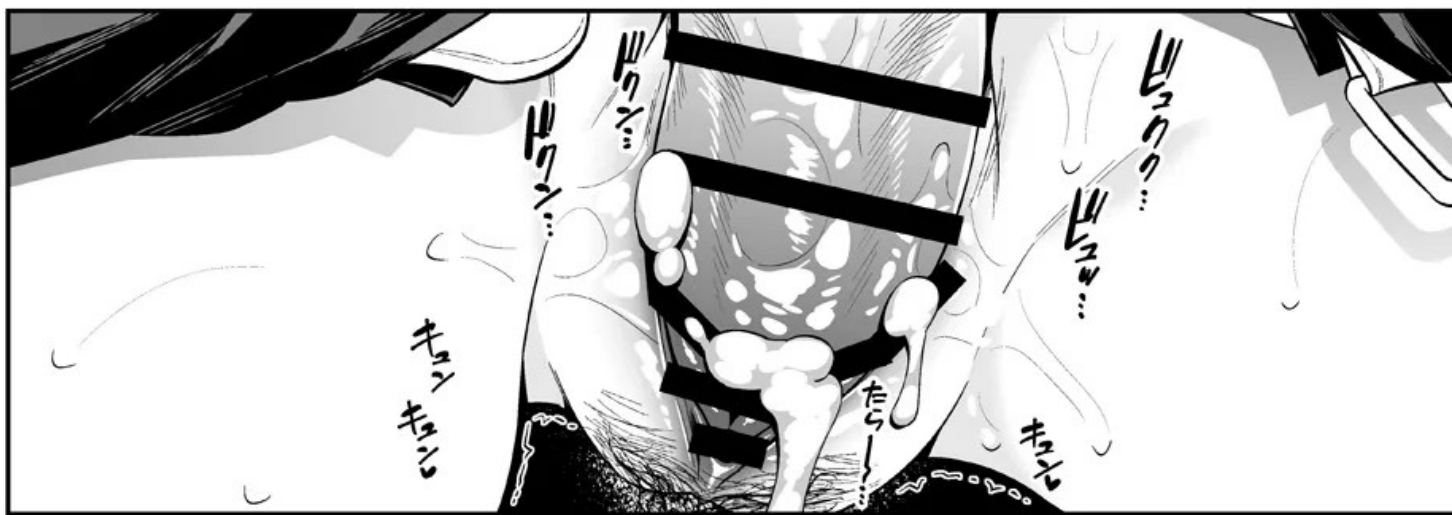
自分には
関係ないと思ってたのに

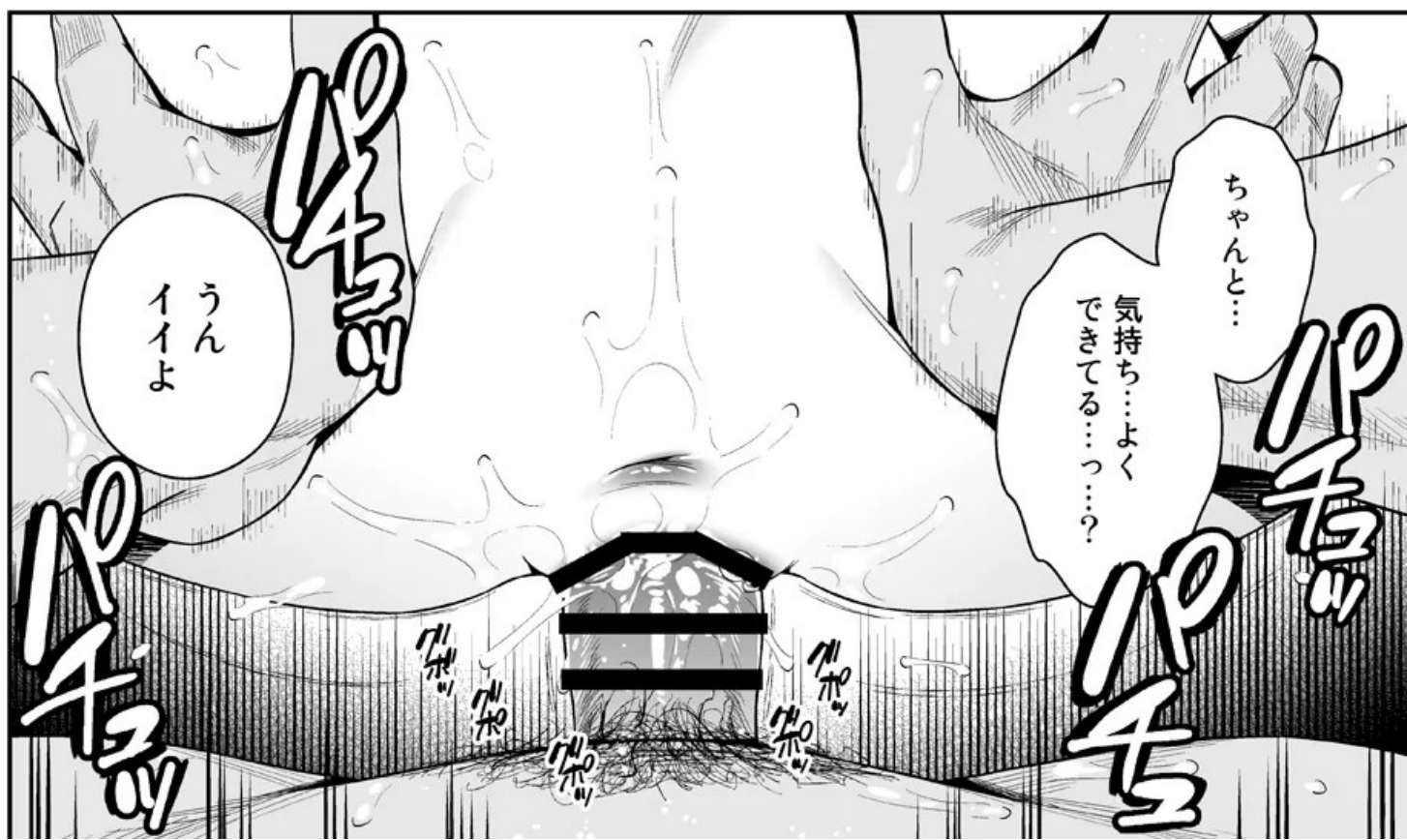
見てるだけで良かったのに

なのに

こんなに
気持ちいいって
知ってしまったら









ああ〜♡

ねえ また膣内^{ナカ}で
出していい？

出すよ…

んんん♡

一緒にイこ…ッ

イッ♡

アッ♡

んんん♡

んん♡

んんん♡
んん♡

んん♡

んん♡

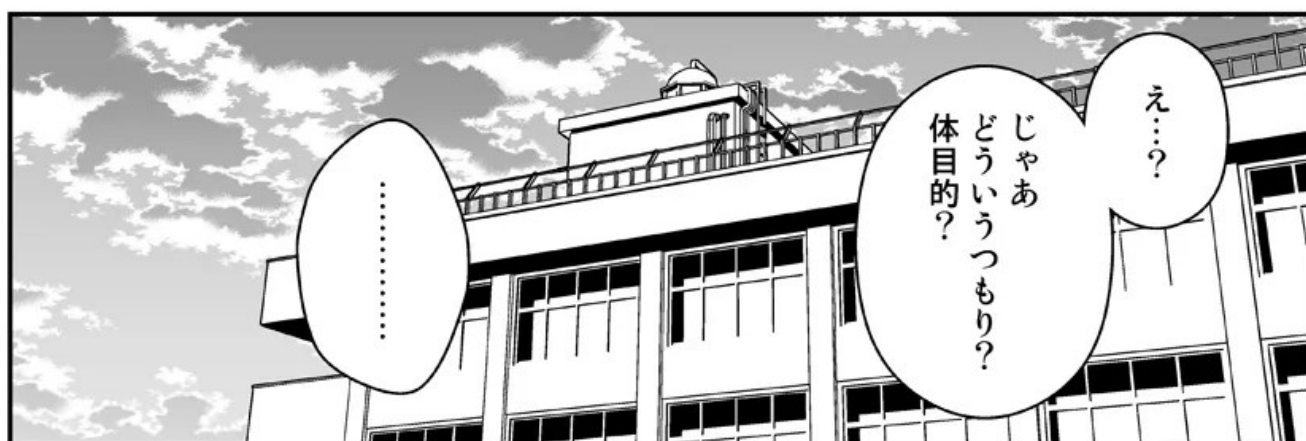
んん♡

はああ〜…♡

んん〜♡

んん〜♡





END

The Beasts
in
the Library

図書室のけだものたち

発行者 二次結び/大野かなえ
発行日 2021年9月26日

Mail (mauhakage@gmail.com)
Pixiv (480273)
Twitter (@2jimusubi)

*違法アップロードおよび18歳未満の閲覧・購入を固く禁じます

*発行者の許可なく翻訳・アップロードした場合、
発行者がそれを保存し正規品として販売いたします
アップロードした時点でこれに同意したものとみなします

*All rights reserved.

Translation, alternation or uploading on the other websites
of the contents of this work without prior authorization of
the Copyright Owners is prohibited, therefore we will save it
and sell as an official product in the case you do.

Uploading without permission will be understood as your
agreement to these conditions.

Thank you.

